व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - बुनना

द्वारा

विष्णु - स्वयं सहायता समूह





एसएचजी/सीआईजी नाम	::	विष्णु
वीएफडीएस नाम	::	कंधार
श्रेणी	::	कटगांव
विभाजन	::	किन्नौर



इसके तहत तैयार:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (tkbZdk सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	परिचय	3
2	SHG/CIG का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5

4	गाँव का भौगोलिक विवरण	5-6
5	प्रबंधन	6
6	प्राथमिक कार्य योजना	6
7	ग्राहक	6
8	केंद्र का लक्ष्य	6
9	व्यवसाय शुरू करने का कारण	7
10	SWOT विश्लेषण	7
11	मशीनरी, उपकरण एवं अन्य सामग्री	7-8
12	मासिक उत्पादन एवं बिक्री राशि	8-10
13	लाभ का वितरण	10
14	समूह में निधि प्रवाह	10
15	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10-11
16	ऋण चुकौती अनुसूची	11
17	निगरानी विधि	11
18	टिप्पणियाँ	11
19	समूह सदस्यों के फोटो	11-12
परिशिष्ट	समूह सहमति पत्र, MoU एवं अनुमोदन दस्तावेज	13-21

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में अवस्थित है। यहाँ अनेक पर्वत चोटियाँ और विस्तृत नदी प्रणाली सहित अत्यंत विविध भौगोलिक परिदृश्य है। हिमाचल प्रदेश को "देवभूमि" कहा जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी प्रसिद्ध है। राज्य वनस्पति एवं जीव-जंतुओं से समृद्ध है।

राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 7.5 मिलियन तथा क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है। यह शिवालिक की तलहटी से मध्य पहाड़ियों (समुद्र तल से 300–6816 मीटर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के शीत एवं शुष्क क्षेत्रों तक फैला है। लगभग 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जलविद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के प्रमुख घटक हैं।

हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं, जिनमें किन्नौर एक जिला है। किन्नौर जिले के तीन प्रशासनिक उपमंडल—कल्पा, निचार (भाबानगर) और पूह—तथा छह तहसीलें हैं। जिला मुख्यालय रिकांगपिओ है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 6,401 वर्ग किलोमीटर और जनसंख्या 84,121 है।

किन्नौर जिला अपनी प्राकृतिक संपदा और साहसिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। कल्पा से भगवान शिव के निवास माने जाने वाले किन्नर कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं। नाको गाँव भी अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। निचले किन्नौर में हिंदू धर्म का प्रभाव तथा बौद्ध धर्म के चिह्न मिलते हैं, जबकि ऊपरी क्षेत्रों में बौद्ध धर्म प्रमुख है। दोनों धर्म सद्भाव से सह-अस्तित्व में हैं। जिला चिलगोजा, खुबानी और बादाम जैसे सूखे मेवों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ सेब की खेती भी तेजी से बढ़ी है और किन्नौर के सेब राज्य के अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक मूल्य प्राप्त करते हैं।

स्वेटर, कार्डिगन, मोजे, मफलर, स्कार्फ, टोपी और दस्ताने आदि की बुनाई ग्रामीण भारत में, विशेषकर महिलाओं के बीच, सामान्य घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएँ इस काम में दक्ष हैं और खाली समय में तथा घरेलू कार्यों के साथ इसे करती हैं। इस SHG की महिलाएँ पहले से परिवार के सदस्यों की जरूरतों के लिए बुनाई करती रही हैं। अब उन्होंने अतिरिक्त आय अर्जित करने, खर्च पूरा करने और कठिन समय के लिए बचत करने हेतु इसे आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है। JICA परियोजना के अंतर्गत 12 महिलाओं ने समूह बनाकर सामूहिक रूप से इस गतिविधि को आगे बढ़ाने तथा अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया।

2. SHG/CIG का विवरण

2.1	विवरण	जानकारी
2.2	SHG/CIG का नाम	विष्णु
2.3	VFDS	कंदर
2.4	रेंज	कटगांव
2.5	मंडल	किन्नौर
2.6	गाँव	कंदर
2.7	ब्लॉक	कंदर
2.8	जिला	किन्नौर
2.9	समूह सदस्य	11 महिलाएँ
2.10	गठन तिथि	17/01/2022
2.11	बैंक खाता संख्या	25110114192
2.12	बैंक	सहकारी बैंक, बी/नगर
2.13	मासिक बचत	₹100 (हर महीने की 15 तारीख को बैठक में)
2.14	कुल बचत	64900
2.15	कुल आंतरिक ऋण	-
2.16	कैश क्रेडिट लिमिट	—
2.17	ऋण चुकौती स्थिति	—

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रम	नाम	पति का नाम	पद	आयु	वर्ग	आय स्रोत	संपर्क
1	श्रीमती अरुणा देवी	दिनेश	प्रधान	30	ST	कृषि	8091781491
2	श्रीमती उषा देवी	गेन चंद	सचिव	44	ST	कृषि	9805107729
3	श्रीमती सुरदर्शना	रवि कांत	सदस्य	33	ST	कृषि	8894421126
4	श्रीमती सुमा	जगदेव	सदस्य	42	ST	कृषि	8894859005
5	श्रीमती राज कुमारी	गेन सिंह	सदस्य	50	ST	कृषि	8580640611
6	श्रीमती मीना	दविंदर	सदस्य	44	ST	कृषि	7876839889
7	श्रीमती लक्ष्मी	दीवान सिंह	सदस्य	49	ST	कृषि	9459230594
8	श्रीमती सुशीला	रमेश	सदस्य	41	ST	कृषि	6230326458
9	श्रीमती भाजनी	विद्या सागर	सदस्य	50	ST	कृषि	8988527865
10	श्रीमती मीनाक्षी	प्रदीप कुमार	सदस्य	33	ST	कृषि	8219661419
11	श्रीमती रुमिला कुमारी	दीवान सिंह	सदस्य	41	ST	कृषि	9816284027

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

विवरण	दूरी
जिला मुख्यालय से	60 किमी
मुख्य सड़क से	10 किमी
स्थानीय बाजार	कटगांव – 15 किमी; भाबानगर – 20 किमी
मुख्य बाजार	भाबानगर – 20 किमी; रिकांगपिओ – 60 किमी; रामपुर – 70 किमी
मुख्य शहर	रामपुर बुशहर – 70 किमी; भाबानगर – 20 किमी
उत्पाद बिक्री/विपणन स्थल	भाबानगर – 20 किमी; रिकांगपिओ – 60 किमी; कटगांव एवं रामपुर – 15 एवं 70 किमी

5. प्रबंधन

विष्णु बुनाई केंद्र में 11 महिला सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य के पास अपनी बुनाई मशीन होगी और समूह गाँव में एक कमरा किराए पर लेकर सामूहिक रूप से कार्य करेगा। केंद्र में वास्तविक कार्य शुरू करने से पहले सभी सदस्यों को पेशेवर प्रशिक्षकों द्वारा बुनाई का अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

6. प्राथमिक कार्य योजना

समूह की सदस्य इस आय सृजन गतिविधि के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखती हैं। समूह में विचार-विमर्श के बाद अतिरिक्त आय के लिए इस गतिविधि को अपनाने का निर्णय लिया गया। सदस्य पहले अलग-अलग यह काम करती थीं, अब वे इसे बड़े स्तर पर और योजनाबद्ध तरीके से सामूहिक रूप से करेंगी। श्रम विभाजन सावधानीपूर्वक तय किया गया है ताकि प्रत्येक सदस्य गतिविधि को मजबूत करने और अतिरिक्त आय अर्जित करने में योगदान दे सके।

7. ग्राहक

केंद्र के प्राथमिक ग्राहक कंदर गाँव, शारपा कॉलोनी और कटगांव के स्थानीय लोग होंगे। बाद में आसपास के छोटे कस्बों तक व्यवसाय का विस्तार किया जा सकता है।

8. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य कंदर गाँव तथा आसपास के गाँवों के निवासियों को आधुनिक, उत्कृष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली बुनाई सेवा प्रदान करना है। केंद्र आने वाले वर्षों में अपने कार्यक्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण काम के लिए प्रसिद्ध बुनाई केंद्र बनने का लक्ष्य रखता है।

9. व्यवसाय शुरू करने का कारण

SHG की सदस्य पहले से इस काम का अनुभव रखती हैं और अलग-अलग स्थानों पर बुनाई करती रही हैं। इसलिए इस आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। विभिन्न सदस्यों के कौशल को एक साथ जोड़कर गतिविधि का विस्तार करना और अधिक आजीविका अर्जित करना इसका उद्देश्य है।

10. SWOT विश्लेषण

मजबूत पक्ष: कुछ सदस्य पहले से यह गतिविधि कर रही हैं; कच्चा माल आसपास के बाजारों में आसानी से उपलब्ध है; निर्माण प्रक्रिया सरल है; उचित पैकिंग और परिवहन आसान है; परिवार के सदस्य सहयोग करेंगे; उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।

कमजोरी: तकनीकी जानकारी का अभाव।

अवसर: अच्छे उत्पादों की बढ़ती मांग।

जोखिम: प्रतिस्पर्धी बाजार; प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में लाभार्थियों की भागीदारी और प्रतिबद्धता का स्तर।

11. मशीनरी, उपकरण एवं अन्य सामग्री

पारंपरिक बुनाई और मशीन से बुनाई दोनों साथ-साथ की जाएँगी ताकि मूल्यवर्धित उत्पाद बाजार में उपलब्ध हों और गुणवत्ता तथा कीमत के आधार पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। मांग के अनुसार कुछ वस्तुएँ पारंपरिक तरीके से तथा कुछ मशीन से बनाई जाएँगी।

क्रम	मशीन/सामग्री	मात्रा	प्रति इकाई दर (₹)	कुल (₹)
1	पंच कार्ड बुनाई मशीन	1	24,000	24,000
2	साधारण बुनाई मशीन	12	5,500	66,000
3	बुनाई डिजाइन पुस्तक	1	1,500	1,500
4	गोला बनाने की मशीन	5	600	3,000
5	कार्य मेज	12	1,500	18,000
6	प्लास्टिक कुर्सियाँ	12	600	7,200
	कुल पूंजीगत लागत			1,19,700
क्रम	**आवर्ती खर्च**	**इकाई**	**दर (₹)**	**राशि (₹)**
1	कमरे का किराया	मासिक	2,000	2,000
2	पानी एवं बिजली	मासिक	1,000	1,000
3	विभिन्न रंग एवं गुणवत्ता का बुनाई धागा	मासिक/एकमुश्त	95,000	95,000
4	लुब्रिकेटिंग ऑयल एवं वाइपेट	मासिक	1,400	1,400
5	घिसावट एवं टूट-फूट	मासिक/एकमुश्त	1,500	1,500
	कुल आवर्ती लागत			1,00,900

12. मासिक उत्पादन एवं बिक्री राशि

यह SHG की नियमित घरेलू गतिविधियों के अतिरिक्त कार्य है, इसलिए उत्पादन प्रत्येक सदस्य के कार्य घंटों के अनुपात में होगा। शुरुआत में उत्पादन का अनुमान सावधानीपूर्वक रखा गया है, जिसे अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है। अनुमान है कि प्रत्येक सदस्य प्रतिदिन एक तैयार वस्तु बनाएगी और प्रतिदिन लगभग 14 वस्तुएँ बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। इस दर से महीने में लगभग 400 तैयार वस्तुएँ होंगी। शुरुआती औसत मूल्य ₹600 प्रति वस्तु मानकर मासिक आय का अनुमान लगाया गया है।

विवरण	कुल (₹)	परियोजना योगदान (75%)	SHG योगदान (25%)
कुल पूंजी लागत	1,19,700	89,775	29,925
पूंजी लागत पर 10% मासिक मूल्यह्रास	1,197	—	1,197
अन्य मासिक खर्च	1,00,900	—	1,00,900

कुल	1,02,097		1,02,097

मासिक कुल बिक्री (₹600 × 400) = ₹2,40,000

पहले महीने का कुल खर्च (₹1,19,700 + ₹1,02,097) = ₹2,21,979

परियोजना सहायता राशि ₹89,775 होने के कारण गणना के लिए इसे खर्च से घटाया जा सकता है। समूह सामूहिक रूप से कार्य करेगा, इसलिए सदस्यों की मजदूरी अलग से नहीं जोड़ी गई है।

विवरण	राशि (₹)
पूंजी लागत	1,19,700
SHG का पूंजी योगदान	29,925
पूंजी लागत पर 10% मासिक मूल्यह्रास	1,197
सामग्री आदि का अन्य खर्च	1,00,900
कुल लागत	1,32,022
पहले महीने की कुल बिक्री	2,40,000
शुद्ध लाभ	1,07,978

13. लाभ का वितरण

SHG सदस्यों ने आपसी सहमति से निर्णय लिया है कि पहले महीने प्रत्येक सदस्य को आय के रूप में ₹5,000 दिए जाएँगे तथा शेष लाभ ₹47,978 भविष्य की आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में बैंक खाते में रखा जाएगा।

14. समूह में निधि प्रवाह

क्रम	विवरण	कुल राशि (₹)	परियोजना योगदान	SHG योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,19,700	89,775	29,925
2	कुल आवर्ती लागत	1,02,097	0	1,02,097
3	प्रशिक्षण	45,000	45,000	0
	कुल व्यय	**2,66,797**	**1,34,775**	**1,32,022**

नोट: पूंजी लागत का 75% परियोजना वहन करेगी। आवर्ती लागत पूरी SHG/CIG वहन करेगी। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का कुल खर्च परियोजना वहन करेगी।

15. निधि के स्रोत एवं खरीद

परियोजना सहायता: पूंजी लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग होगा; ₹1 लाख तक SHG बैंक खाते में रिवॉल्विंग फंड के रूप में रखा जा सकता है; प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च।

SHG योगदान: पूंजी लागत का 25% तथा आवर्ती खर्च SHG द्वारा वहन किया जाएगा। मशीनों की खरीद संबंधित DMU/FCCU द्वारा सभी निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन के बाद की जाएगी।

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। प्रस्तावित प्रशिक्षण: टीमवर्क, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग एवं विपणन, वित्तीय प्रबंधन।

17. ऋण चुकौती अनुसूची

यदि बैंक से ऋण लिया जाता है, तो वह कैश क्रेडिट लिमिट (CCL) के रूप में होगा। CCL के लिए अलग चुकौती अनुसूची नहीं होती; हालांकि सदस्यों की मासिक बचत और चुकौती रसीदें CCL के माध्यम से जमा/प्रेषित की जानी चाहिए।

CCL में SHG का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंक को पूर्ण रूप से चुकाया जाना चाहिए। ब्याज मासिक आधार पर चुकाया जाएगा। आंतरिक ऋण की चुकौती बैंक की निर्धारित अनुसूची के अनुसार होगी।

18. निगरानी विधि

VFDS की सामाजिक लेखा-परीक्षा समिति आय सृजन गतिविधि की प्रगति एवं प्रदर्शन की निगरानी करेगी और आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक सुझाव देगी, ताकि इकाई अनुमान के अनुसार संचालित हो। SHG भी प्रत्येक सदस्य की गतिविधि की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करेगी तथा आवश्यक सुधार सुझाएगी।

19. टिप्पणियाँ

कोई टिप्पणी दर्ज नहीं है।

समूह सदस्यों के फोटो



अरुणा देवी



सुरदर्शना



उषा देवी



ज्ञान कुमारी







मीना लक्ष्मी सुशीला भजनी



मीनाक्षी रुमिला कुमारी सुमा







समूह का सहमती पत्र

आज दिनाकं .....विष्णु सव्यम–सहायता समूह कडार में बैठक हुई यह बैठक प्रधान श्रीमती अरूणा देवी के अध्यक्षता में हुई। आज बैठक में यह चर्चा की सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि जाईका वन विभाग की तरफ से जो धन राशि मिलेगी उसका उपयोग बुनाई सिखने के लिए किया जाएगा । जिसके लिए सभी सदस्यों की सहमती प्रकट की है इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया। ।

सुरुणा देवी
प्रधान
विष्णु स्वयं सहायता समूह कण्डार
तह० निचार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
समूह के प्रधान हस्ताक्षर

उषा देवी
सचिव
विष्णु स्वयं सहायता समूह कण्डार
तह० निचार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods

Memorandum of Understanding

Between

The .....KANDHAR..... Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO KINNAUR for Participatory Forest Management.

Whereas

- The KANDHAR Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of KANDHAR Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district KINNAUR and Forest Division KINNAUR, Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

- as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called -Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

- the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

- the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here- in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The KINNAUR.. Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

1. **Purpose of the Memorandum of Understanding**

This Memorandum of Understanding (hereinafter called -Man details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

2. **Responsibilities of the Society**

2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.

2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.

2.3. The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.

2.4. The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.

2.5. The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.

2.6. The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.

2.7. The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.

2.8. The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.

2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.

2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.

2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.

2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

ن Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.

2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.

2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as; revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).

2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.

3. Responsibilities of the Forest Department

3 1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.

3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)

3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/ converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.

3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.

3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.

3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).

4. Support by the Project

4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.

4 2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.

4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.

4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation. Biodiversity conservation etc..willbecredited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from Micro plan)of VFDS/BMC (Sub-Committee).In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.

4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.

5. Rights and Benefit Sharing

5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.

5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:

i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non- timber forests products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;

ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;

iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;

iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;

v) after 5 years. the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas:

vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.

provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit.

5.3 The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling,

whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2001,

6. Monitoring & Evaluation

6.1 Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party apart from Project authorities.

6.2. The EC of VEDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretary will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

6.3 A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.

6.4. Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for thatactivity.

6.5. Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

Memorandum of Understanding

We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

I ..VIDYA..SAGAR....., President,..... KANDHAR..... Joint VFDS/BMC

(Sub-committee), declare on behalf of the Society, that I am committee to follow all the conditions mentioned I this MOU ad am singing this memo after reading/understanding all conditions mentioned herein, literally and I their original meaning.

(Name and Signature of the President)
On behalf of VFDS/ BMC (Sub-committee)

Divisional Forest Officer
Kinnaur Forest Officer
On behalf of HPFD)

Witness: Village Forest Development Society /BMC (Sub-committee) and the Forest Department for Participatory Forest Management.

1. रक्षा देवी रक्षा देवी
2. रेखा देवी Rekha Devi
3. राज कुमारी राज कुमारी
4. अरुणा देवी अरुणा देवी

1 ----------, (Position) undertake, on behalf of Kinnaur Division Forest Department to implement all duties responsibilities of the Forest Department mentioned in this memorandum.

Range Forest Officer
Katgaon Range

(Name and Signature of the Divisional Forest Officer or other officer authorized by him) On behalf of Kinnaur Forest Department.

Kinnaur Forest Division
At R/Peo

Resolution-cum-group consensus form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group.....Vishnu..... ...held on .....at.....KANDHAR.....that our self help group will undertake the .....KNITTING.....as livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)

उमा देवी
सचिव

धान
स्वयं सहायता समूह कण्डार
निचार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
Signature of Group Secretary

उमा देवी
सचिव

धान
स्वयं सहायता समूह कण्डार
निचार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
Signature of Group Pradhan

Business Plan Approval by VFDS &DMU

Vishwa ..... Self help group will undertake the Knitting .....

As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan of amount (Rs.) 2,66,797 .....has been submitted by this group on dated .... and this business plan has been approved by Kandar .....VFDS.Business Plan with SHGresolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thankyou

Signature of VFDS Pradhan

Signature of VFDS Secretary

Signature of Forest Guard

Block Forest Officer
Kurpan Block (H.P.)
Signature of Block forest officer

Range Forest Officer
Distt. Kinnaur (H.P.)
Signature of Range Forest officer

Approved

DMU -cum-
Deputy conservator forests,
Kinnaur Division at R/Peo